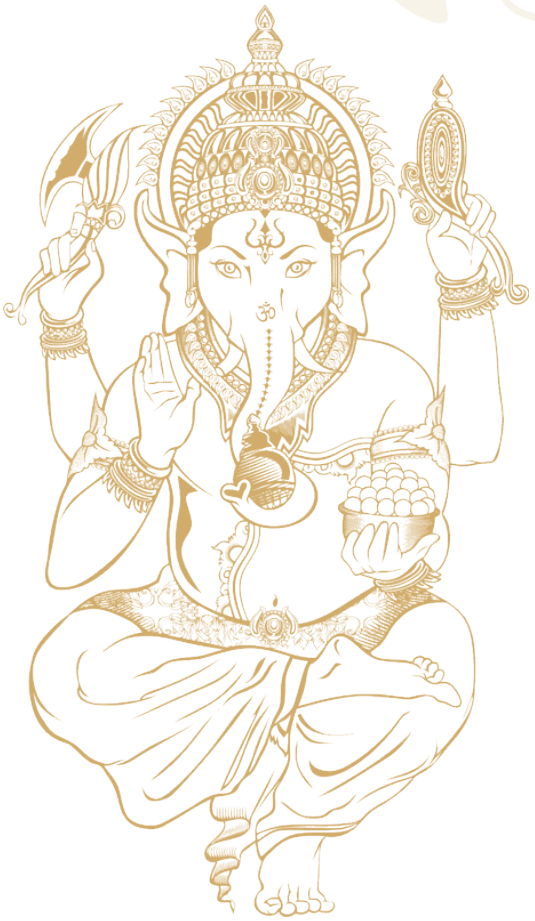

B

L

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121779603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/10/1996	जन्म तिथि	21/06/2000
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 07:20:00	जन्म समय	17:35:00 घंटे
घटी 02:16:47	जन्म समय(घटी)	30:27:33 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:25:17	सूर्योदय	05:23:58
17:46:17	सूर्यास्त	19:21:52
23:48:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:34

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 2मा 7दि	14:09:06	तुला	लग्न	वृश्चि	13:53:17	मंगल 5वर्ष 5मा 21दि
राहु	03:08:30	तुला	सूर्य	मिथु	06:32:59	गुरु
28/12/2014	07:21:36	मक	चंद्र	मक	26:14:10	13/12/2023
27/12/2032	00:24:57	सिंह	मंगल	मिथु	09:28:42	13/12/2039
राहु 09/09/2017	24:21:20	कन्या	बुध	मिथु	25:58:19	गुरु 30/01/2026
गुरु 03/02/2020	17:15:18	धनु	गुरु	वृष	04:15:34	शनि 12/08/2028
शनि 10/12/2022	24:53:45	सिंह	शुक्र	मिथु	09:18:22	बुध 18/11/2030
बुध 28/06/2025	08:25:27	मीन व	शनि	वृष	01:44:18	केतु 25/10/2031
केतु 17/07/2026	14:03:46	कन्या	राहु	कर्क	00:50:59	शुक्र 25/06/2034
शुक्र 16/07/2029	14:03:46	मीन	केतु	मक	00:50:59	सूर्य 13/04/2035
सूर्य 10/06/2030	06:52:21	मक	हर्ष व	मक	26:40:28	चन्द्र 12/08/2036
चन्द्र 10/12/2031	01:12:52	मक	नेप व	मक	12:13:39	मंगल 19/07/2037
मंगल 27/12/2032	07:49:39	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	17:09:33	राहु 13/12/2039

लग्न-चलित

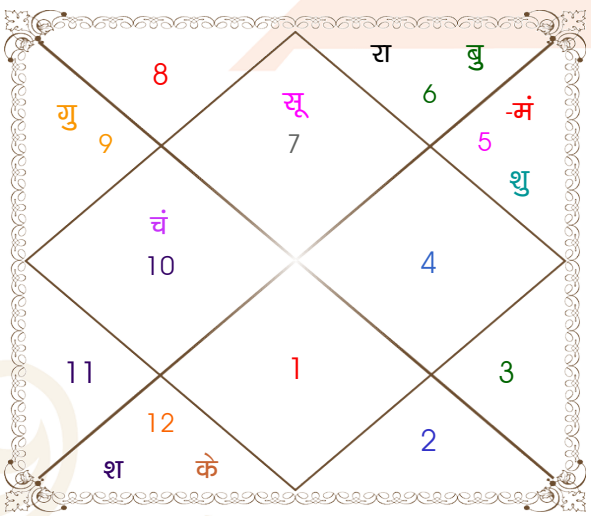

लग्न-चलित

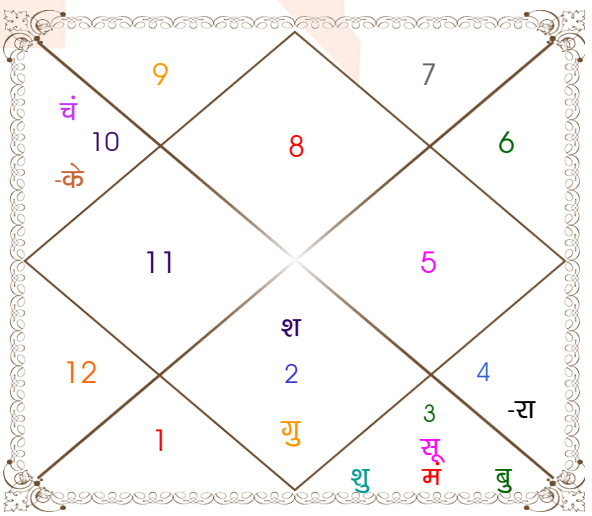

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि Lवामियों मे मित्रता है।

B का वर्ग सिंह है तथा L का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार B और L का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

B मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

L मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि B कि कुण्डली में षष्B भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

B तथा L में मंगलीक मिलान ßीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।